एमएसएमई - विकास संस्थान, राँची

हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत्त

एमएसएमई-विकास संस्थान, राँची द्वारा दिनांक -15 दिसंबर, 2020 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक (प्रभारी) श्री पी.के. गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यशाला का आयोजन स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी कोविड-19 के दिशा- निर्देशों के अंतर्गत सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए किया गया। श्री प्रमोद कुमार, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने कार्यशाला में अपने स्वागत संबोधन में सभी प्रतिभागियों तथा अतिथि वक्ता का अभिनंदन किया। अतिथि वक्ता डॉ. जिंदर सिंह मुंडा, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची का स्वागत सुश्री प्रिया कुमारी, अवर श्रेणी लिपिक द्वारा खादी का रुमाल भेंट करके किया गया। तत्पश्चात् नामित राजभाषा अधिकारी श्रीमती नीतू, सहायक निदेशक ने हिन्दी कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागियों को ध्यानपूर्वक अतिथी वक्ता के वक्तव्य का लाभ लेने हेतु आह्वान किया।

निदेशक (प्रभारी) महोदय ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को हिन्दी के महत्व एवं इसके व्यवहारिक प्रयोग में आने वाली कठिनाईयों का वर्णन करते हुए इसके सरल प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को जरुरत पड़ने पर अंग्रेजी के शब्दों का लिप्यंतरण करके भी हिन्दी में लेखन हेतु सुझाव दिया।

अतिथि वक्ता डॉ. जिंदर सिंह मुंडा ने कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी भाषा के प्रयोग पर बहुत ही उपयोगी जानकारी रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यालयीन पत्राचार के प्रकार एवं उनके प्रारुपों के बारे में सोदाहरण चर्चा की। उन्होंने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के नियमों के अनुपालन के लिए ध्यान देने योग्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अच्छी गुणवत्ता के टिप्पण एवं प्रारुप लेखन हेतु सबको प्रोत्साहित किया। टिप्पण लेखन हेतु उन्होंने शब्दों के चयन को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया साथ ही समझाया कि टिप्पण संक्षिप्त, सारगर्भित एवं अर्थपूर्ण होना चाहिए।

कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने विचार व्यक्त किए। अतिथी वक्ता ने प्रतिभागियों द्वारा पुछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनकी शंकाओं का उचित समाधान किया। उन्होंने सरल शब्दों के प्रयोग पर बल दिया जिससे अनावश्यक दुरुहता से बचा जा सके और भाषा की संप्रेषनीयता बनी रहे।

अंत में वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, श्री प्रमोद कुमार ने निदेशक (प्रभारी), अतिथी वक्ता एवं कार्यशाला में उपस्थित अन्य सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी कार्यशाला के दौरान उत्साहपूर्ण भागीदारी एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

हिन्दी कार्यशाला (15 दिसंबर, 2020) के आयोजन से संबंधित कुछ छायाचित्र /झलकियां

अतिथी वक्ता का खादी का रुमाल भेंट करके स्वागत

निदेशक प्रभारी का संबोधन

नामित राजभाषा अधिकारी का संबोधन

हिन्दी कार्यशाला में भाग लेते हुए प्रतिभागी

अतिथी वक्ता की प्रस्तुती

हिन्दी अनुवादक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन